भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3628
उत्तर देने की तारीख 11/08/2025

आईओई योजना के तहत निधि का दुरुपयोग

†3628. श्री राजीव राय:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने गैर-शैक्षणिक कार्यों के लिए परामर्शदाताओं की नियुक्ति हेतु उत्कृष्ट संस्थान (आईओई) योजना के अंतर्गत धनराशि का उपयोग किया है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या ऐसा व्यय योजना के अंतर्गत हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है; और
(घ) आईओई योजना के मूल उद्देश्यों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): विश्व स्तरीय संस्थान योजना, जिसे उत्कृष्ट संस्थान (आईओई) योजना के रूप में भी जाना जाता है, के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों और अवसंरचनात्मक सुविधाओं के सृजन हेतु निधियां प्रदान की गई हैं। उत्कृष्ट संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए ऐसी सुविधाएं होनी चाहिएं, जो विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थाओं के बराबर हों, और उनके पास विस्तार हेतु पर्याप्त स्थान के साथ स्वामित्व वाले बड़े परिसर हों। विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार पर बिना किसी दीर्घकालिक देयता के तथा संविधियों और जीएफआर के प्रावधानों के सामान्य प्रतिबंधों के अध्यधीन संविदा/प्रतिनियुक्ति के आधार पर पेशेवरों को नियोजित कर सकते हैं। सार्वजनिक श्रेणी के संस्थानों से अपेक्षा की जाती है कि वे वैश्विक रूप से ख्याति प्राप्त संस्थान बनने के लिए अपना स्वयं का मार्ग चुनें। यूजीसी ने सार्वजनिक संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों के रूप में उत्कृष्ट संस्थानों (आईओई) के रूप में अधिसूचित संस्थानों के लिए एक नियामक वास्तुकला/फ्रेमवर्क प्रख्यापित किया है।

******